

लोग हमसे कहते हैं आगे बढ़ो दुनिया कहाँ जा रही है ? हम कहते हैं चलो १४०० साल पहले चलते हैं। अहद-ए-नबवी की ठंडक लेने की कोशिश करते हैं तरवकी वहीं से मिलेगी। Let us go before 1400 years.

Friday, May 14, 2021

بِسُمِ اللهِ الرَّحُلْنِ الرَّحِيْمِ

**Publication S.N: 00000219** 

## تواضع کی فضیلت

حضور نی اکر م علی کارشاد ہے کہ "جو کوئی تواضع کرتاہے حق تعالی اس کی عزت بڑھاتا ہے اور فرمایاہے کہ کوئی مختص ایبا نہیں جس کے سرکی نگام دو فر شنوں کے ہاتھوں میں نہ ہو-جب وہ مختص تواضع کرتاہے تو ملا نکہ اس لگام کو اوپر چڑھاتے ہیں اور بارگا و اللی میں عرض کرتے ہیں اللی اس کو سربلندر کھ "اور اگر وہ تکبر کرتا ہے تو لگام کھینچے ہیں اور کہتے ہیں اللی اس کو سر عموں رکھے نے فرمایا ہے کہ وہ مختص جو بغیر لاجار ہونے کے تواضع کرے اور ایبامال جو اس فرید کے بین اللہ اس کو سر عموں رکھے ہیں اور کام کھینچے ہیں اور کہتے ہیں اللہ اس کو سر عموں رکھے ہیں ہوتھے اور ایبامال جو اس فرید کی معصیت کے جمع کیا ہے دوسروں پر خرج کرے - غریبوں پر رحم کرے اور ال کے پاس اٹھے بیٹھے اور عالموں کی ہم نشینی اختیار کرے وہ نیک خص ہے -

## तवाज़ोअ की फज़ीलत

हुजूर नबी ए अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम का इरशाद है कि " जो कोई तवाज़ोअ करता है हक तआला उस की इज़्ज़त बढ़ाता है और फरमाया कि कोई शख़्स ऐसा नही जिस के सिर की लग़ाम दो फरिश्तों के हाथ में ना हो। जब वह शख़्स तवाज़ोअ करता है तो मलाइका (फरिश्ते) उस लग़ाम को ऊपर चढ़ाते हैं और बारगाहे इलाही में अर्ज़ करते हैं, इलाही! इस को सरबुलंद रख और अगर तकब्बुर करता है तो लग़ाम खींचते हैं और कहते हैं, इलाही! इस को सरनगु रख"। हुज़ूर सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने फरमाया कि वह शख़्स जो बगैर लाचार होने के तवाज़ोअ करे और ऐसा माल जो उस ने बग़ैर किसी माअसियत (गुनाह) के जमा किया है दूसरों पर खर्च करे, ग़रीबों पर रहम करे और उन के पास उठे-बैठे और आलिमों की हमनशीनी इख़्तियार करे वह नेक-बख़्त है।

कीमियाए सआदत, 588

अल्लाह तबारक व तआला से दुआ है कि रब्बे करीम हमारी पूरी ज़िंदगी रमज़ान जैसी बना दे। हमारी बुराईयों को दूर कर दे। हमें सुथरी ज़िंदगी अता कर दे। हमें गफलत से बैदार कर दे। आमीन